INTERNATIONAL
Literary Quest

INTERNATIONAL Literary Quest
E-mail : internationalliteraryquest@gmail.com
website : www.internationalliteraryquest.in

Published By : YUGANTAR PRAKASHAN
D-750, Gali No. 4, Ashok Nagar, Shahadara, Delhi-93

INTERNATIONAL Literary Quest July-December 2020

Vol-12, ISSUE-I, July-December 2020

ISSN :2319-7137

INTERNATIONAL
Literary Quest

An International Multidisciplinary Peer Reviewed Refereed Research Journal

Prof. Ashok Singh
(Editor in Chief)

Dr. Vikash Kumar
(Editor)

Dr. Surendra Pandey
(Editor)

ISSN : 23197137, Volume: 12/Issue: 01, July-December : 2020

ISSN : 2319-7137

Volume : 12/Issue : 01
July-December-2020

INTERNATIONAL
LITERARY QUEST

An International Multidisciplinary Peer Reviewed Refereed Research Journal

Chief Editor

Prof. Ashok Singh
Hindi Department
Banaras Hindu University

Editor
Dr. Vikash Kumar
Dr. Surendra Pandey

ISSN : 23197137, Volume: 12/Issue: 01, July-December : 2020

अनुक्रम

1.	कोविड 19 के परिवेश में महिला सशक्तीकरण की ऐतिहासिक रूपरेखा **डॉ. अल्पना दुभाषे**	**10-13**
2.	तुलसी का समन्वयवाद **श्री पंकज**	**14-17**
3.	एक जुझारू लेखिका की आत्मकथा (हादसे) **मुनमुन अग्रवाल**	**18-22**
4.	प्रेमचन्द की कहानियों में दलित–चेतना के विविध आयाम **डॉ0 संजय कुमार सिन्हा**	**23-25**
5.	Self Esteem Among College Students Regarding Academic Performance **Preeti Kumari**	**26-33**
6.	मुगलकालीन भारत में शिक्षा और साहित्य का विकास **विजय प्रताप सिंह**	**34-35**
7.	मृणाल पाण्डे के साहित्य में प्रेम, विवाह **डॉ0 देवेन्द्र प्रताप सिंह**	**36-42**
8.	Postmodernism and Contemporary Indo-Anglican Poetry ***Girish Chandra Pant ** Dr. Sharmila Saxena**	**43-48**
9.	Changing Condition of women in Kumaun Mandal from Pre-Independence to the Present **Professor Girish Ranjan Tewari (H.O.D.),**	**49-56**
10.	COVID-19 के वर्तमान परिप्रेक्ष्य में प्रवासी मजदूरो की चुनौतियाँ **अभिषेक कुमार गुप्ता**	**57-59**
11.	कमलेश्वर की कहानियाँ : शिल्पगत अध्ययन **पंकज कुमार मौर्य**	**60-63**
12.	कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय, मान्यता प्राप्त अनुदानित माध्यमिक विद्यालय एवं राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय में अध्ययनरत् बालिकाओं की समायोजन का तुलनात्मक अध्ययन **पन्धारी लाल**	**64-69**
13.	महात्मा गाँधी के विचारों की प्रासंगिकता एवं वर्तमान विश्व **डॉ0 पंकज कुमार जायसवाल**	**70-71**

14.	परिषदीय विद्यालय एवं सी.बी.एस.ई. विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों के शैक्षिक निष्पत्ति का उनके पारिवारिक वातावरण में संबंध **लालजी राम पाल**	**72-78**
15.	मुक्तिबोध की कविताओं में सर्वहारा वर्ग की अभिव्यक्ति **नमित कुमार सिंह**	**79-83**
16.	शिवमूर्ति के उपन्यास में साम्प्रदायिकता का स्वरूप : त्रिशूल **डॉ0 अश्विनी कुमार**	**84-89**
17.	मुगल शासकों की युद्धनीति **डॉ. श्याम कुमार**	**90-96**
18.	''आधुनिक भारतीय दार्शनिकों के चिंतन में सामाजिक मूल्य'' **डॉ. वन्दना कुमारी**	**97-104**
19.	वर्तमान युग में कबीर की प्रासंगिकता **डॉ0 जयप्रकाश सिंह यादव**	**105-107**
20.	भारत में कुपोषण एक चुनौती **प्रीति राय**	**108-111**
21.	देशद्रोही कब्जाते किला और देशभक्त गड़ाते कील भारतीय संविधानः क्षेत्रीय राजनीति **डॉ. रोहताश जमदग्नि**	**112-123**
22.	जिन्दा मुहावरे उपन्यास में विभाजनोपरान्त विस्थापन का यथार्थ **विनोद कुमार मौर्य**	**124-127**
23.	**प्रतिरोधी चेतना का शायरः अदम गोंडवी** **डॉ. रवीद्र कुमार यादव**	**128-134**
24.	''गांधी की विकास–अवधारणा एवं वर्तमान में प्रासंगिकता'' **आशीष कुमार सिंह**	**135-138**
25.	नैतिकता का नया प्रतिमानः लिव इन रिलेशनशिप डॉ. बीना जैन	**139-143**
26.	भारतीय दार्शनिक परंपरा और महर्षि अरविंद (विशेषतः भारतीय राष्ट्रवाद के संदर्भ में) **सुनील दास**	**144-147**

ISSN : 23197137, Volume: 12/Issue: 01, July-December : 2020

नैतिकता का नया प्रतिमान: लिव इन रिलेशनशिप

डॉ. बीना जैन
एसोसिएट प्रोफेसर
किरोड़ीमल महाविद्यालय
दिल्ली विश्वविद्यालय

लिव इन रिलेशनशिप बीसवीं शताब्दी के अंत में शुरू होने वाली नई जीवन पद्धति है जिसका हमारे समाज के युवा वर्ग ने बहुत उत्साह के साथ स्वागत किया है। कॉर्पोरेट सेक्टर की चुनौतियां, काम के अधिकतम घंटे, व्यस्त और यांत्रिक जीवन शैली, अकेलापन, भावात्मक असुरक्षा, विवाह और संतान की जिम्मेदारियां निर्वाह न कर पाने की विवशता ने आज के युवा वर्ग के समक्ष लिव इन रिलेशनशिप के विकल्प को खोला है। घर-परिवार से दूर शहरों या महानगरों में नौकरियां करते हुए आज का युवा वर्ग इस रिलेशनशिप के तहत जीवन यापन कर रहा है । मुंबई, दिल्ली, बैंगलोर जैसे महानगरों में तो यह आम बात हो गई है। बीसवीं शताब्दी से यात्रा करते हुए इस रिलेशनशिप में 21वीं शताब्दी में भी दस्तक दी है। लिव इन रिलेशनशिप सुनने में बहुत सुखद, सहज एवं आसान जीवन का विकल्प अवश्य नजर आता है लेकिन इसकी राह में भी युवा वर्ग अनेक चुनौतियों, संघर्षों असमंजस के दोराहे पर अपने को खड़ा पाता है। समाज, धर्म, जाति, परिवार, राजनीति और अर्थ तंत्र युवा वर्ग को अनैतिक और गलत साबित करने के लिए, उनके निर्णय को प्रभावित करने के लिए अपनी संपूर्ण शक्ति का प्रयोग कर उनके जीवन में धंस कर उसे विध्वंस करने की पुरजोर कोशिश करता है ।बावज़ूद इसके आज का युवा -वर्ग अपने भविष्य को अपने सपनों के अनुरूप गढ़ने से पीछे नहीं हटता ।

नारी पुरुष की स्वतंत्रता की आकांक्षा केवल आज की सदी का विषय नहीं है। बीसवीं शताब्दी के छठे दशक में भी हमारे समाज में यह इच्छा और जरूरत उगने लगी थी जिसका गवाह है राजेंद्र यादव का उपन्यास- 'उखड़े हुए लोग' जो अविवाहित स्त्री- पुरुष के एकसाथ रहने के निर्णय तले होने वाले संघर्षों और चुनौतियों की गाथा है।' उखड़े हुए लोग' स्वातंत्र्योत्तर समाज में आई स्त्री- पुरुषों की बदलती हुई मानसिकता व नए मूल्यों के प्रति